डप्प्बमात्मा परिच्छेतुमेवं योग्यो न वेति यः। म्रस्तीरग्यस्य विज्ञानं स कृच्छे पपि न सीर्ति॥

S. 170. Z. 7. पत्तिणाम् fehlt in der B. A. — S. 170. Z. 14. एकहा fehlt in der B. A. -- S. 170. Z. 17. Qa fehlt in der B. A. - S. 171. Z. 6. चित्रयामास st. विचार्यामास (eine Conjectur von Schlegel und Lassen); vgl. unsere Anmerkung zu d. St. — S. 171. Z. 6. 7. म्रती जिन-ङ्काति st. ततो विनष्टम्. — S. 171. Str. 2. b. Die B. Ausgabe: ते (es geht aber ein Singular vorher) यथायस्य (Schlegel möchte प्रयायस्य lesen) वक्तारा प्रयावध्या कि भवारशां ॥ — S. 172. Z. 1. एव fehlt in der B. A. — S. 172. Z. 17. खायते st. खयते. — S. 173. Z. 1. खेरि-तस् (eine Conjectur von Schlegel) st. बेहितस्. — S. 173. Z. 14. स fehlt in der B. A. — S. 174. Str. 3. a. नार्यास् st. स्त्रीणाम् (es folgt aber एषा). — S. 175. Z. 9. देवस् st. देव इति. — Ebend. एव (schon von Lassen empfohlen) fehlt in der B. A. - S. 175. Z. 14. तथा st. तदाया. — S. 175. Z. 16. यूयम् fehlt in der B. A. — Z. 176. Z. 17. Die B. A. fügt च nach नित्यकृत्यम् hinzu. — S. 177. Z. 5. ह्रा (Calc. Ausg.) st. ह्रा. Vgl. zu Nala XII. 66. a. — S. 177. Z. 6. रोदिषि st. रोदिषीति. — S. 177. Z. 14. Die B. A. fügt तावत् vor करा hinzu. — S. 177. Z. 15. यतस् und die folgende Strophe fehlt in der B. A. — S. 177. Z. 18. Die B. A. fügt ग्रस्मत्कालाचितम् vor यदि hinzu. — S. 178. Z. 3. श्रिप fehlt in der B. A. — S. 178. Z. 4. उत्तरहा st. उत्ते च. — S. 179. Z. 15. मया किम् (schon von Lassen vorgezogen) st. किं मया. — S. 180. Str. 2. Die B. Ausg. यहभावि न तद्भावीत्यादि st der ganzen Strophe. — S. 180. Z. 15. Die B. A. hat